

He Gazette of India

असाधार्ग EXTRAORDINARY

भाग III—**वण्ड** 1 PART III—Section 1

माधिकार से प्रशासित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 23]

नई विल्ली, मुधवार, सितम्बर 24, 1986/प्राधिवन 2, 1908

No. 23]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 24, 1986/ASVINA 2, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिस**से कि यह अस्य संकलन के कप में** रका जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

महायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण) भारत सरकार अर्जन रेंज⊶1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269 वर (1) के अधीन सूचना

अहमदाबाद, 13 अगस्त, 1986

निवेश नं. पी. आर. नं. 4283 अर्जेंस 23/I/86-87:—-अतः म्हो, हो. के. सिन्हा आयकर 43) (जिसे इसमें इसके कहा गया है) की धारा 269 पदाधिकारी ^को सह सिम्बास करने का कारण हैं कि सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य र. 100,000 से अधिक है भौर जिसकी सं. जमीन क्षेत्रफल 1078 वर्ग मीटर + पुराना मकान अहमदा-भाव में है। तथा जो टी पी एस 3, एफ पी नं. 553, एस पीनं. 3, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसने उपायक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं। रिजुस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण रेंअधिनियम, 1908 (1958 का 16) के अर्घात में 1986 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विज्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उश्रित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से,

एक युग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है घीर अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या अन्य/या ।
- (खा) ऐसी आय या किसी घन या अय्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः, अब उपन अधिनियम की धारा 269 ग के अनुमरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थान् :---

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी प्रश्नुमन रतछोडलाल वैद्य मंजुला मनोजभाई वैद्य सरोज कनुभाई वैद्य अनंत प्रयुगन वैद्य कनुभाई प्रयुगन वैद्य अपश्री प्रयुगन वैद्य मनोज प्रयुगन वैद्य श्री पार्क, टाऊन हाल के नजदीक, आश्रमरोड, ऐसीस श्रीज, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) अग्रवाल कोप्स अण्ड भौफिसीज अौनर्स ऐसोसिएकन, फर्स्ट फ्लोर, बीपावली सेन्टर, हाईकोर्ट के सामने, अत्रभवाबाद-14

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतप्-द्वारा कार्यकाहियां सुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की कारी सा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामी स से 30 दिन की अवधी, को भी अवधी बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (था) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इत्तर, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त गक्यों घीर पर्यो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में यथापरिकाधित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 1078 वर्ग मीटर, पुराना मकान के साथ 168 वर्ग थाई, जमीन अहमदाबाद म्यूनिसिपल कार्पोरेशन के रोड साइन में बसा गया है। टं पीएस 3-5, एफ. पी. भं. 553 पैकी एस पी नं. 3, अहमदाबाद, राजिस्ट्रेशन नं. 8706, 8705, 8702, 8714, 8713, 8708/12-5-86

तारीख: 13-6-86 मोहर: महमदाबाद

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I

Notice Under Section 269 D (1) of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961)

Ahamedabad, the 13the August, 1986

Ref. No. P.R. No. 4283 Acq. 23|1|86-87.--Whereas; I, A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Land Adm. 1078 sq. m. +Old Bldg. at Ahmedabad T.P.S. 3. F.P. No. 553 S.P. No. 3, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on May, 1936 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of

the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferors to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following Persons, namely:—

(1) Pradyuman Ranchhodlal Vaidya
Manjula Manojbhai Vaidya
Soroj Kanubhai Vaidya
Anant Pradyuman Vaidya
Kanubhai Pradyuman Vaidya
Javshree Pradyuman Vaidya
Manoj Pradyuman Vaidya
All at Shree Park—
Near Town Hall, Ashram Road,
Ellisbridge, Ahmedabad. 6

(Transferor) (s)

(2) Agrawal Shops and Office Owner's Asson., 1st Floor, Dipawali Centre, Opp: High Court, Ahmedabad-14.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable Property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 1078 sq.m. with Old Bldg, thereon (out of which claimed to be gone in Road line) at Ahmedabad T.P.S. 3-5 varied F.P. No. 553 paiki SP No. 3 Ahmedabad R. No. 8706, 8705, 8702, 8714, 8713, 8708, 8704. All dated 12-5-1986.

Dated 13-8-86 Seal Ahmedabad.

अहमवाबाद, 21 अगस्त, 1986

निवेश नं, पी. आ.र. नं 4.3.3.9 अर्जन 2.3/1/86-87 ≔⊸अतः मुझे. ए. के. सिन्हा आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उस्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य रु. 100,000 से अधिक है ग्रौर जिसकी सं. नीर्मलनगर वड्वा, भावनगर, सी एस. नं. 4823, बाई नं. 1 है सथा जो मीट में. 165, जर्यान क्षेत्रफल 7428.19 वर्ग मीटर और कंस्ट्रक्शन में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-4-86 को पूर्वनिम सम्पत्ति के उचिन मुख्य से कम के बुग्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भौर मुझेयहविश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मध्य उसके दुश्यमःन प्रतिकल से, एक दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पया गया प्रतिकल, निम्निविखत उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया **है** 1

- (क) अन्तरण में हुई किमी ओय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भार-तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धमातर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं क्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्न-तिखत व्यक्तियों अयीत्:---

(1) भावनगर इलैक्ट्रिसिटी कंपनी लिमिटेड, पावर हाउस कम्पाउन्ड, चावडी गेंट, भावनगर-364001

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पिप्रो लिमिटेड, "बन्द्रावर" चौदवा मुजला, 229, नरीमान पोइस्ट, बम्दे-400021

(अन्तरितो)

यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त मुम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा गर्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन में संबंध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामी क्ष मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा।
- (चा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनश्र किए अध्य स्थावन द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों सीर पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथापरिमाधित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निर्मलनगर वहवा, भावनगर, सो एस. नं. 4823, घ 1 है नं. 1, सीट नं. 165 जमान क्षेत्रफल 7428.19 वर्ग महिर भीर कंस्ट्रक्शन क्षेत्रफल 3285.82 वर्ग माटर रिमस्ट्रेशन नं. 1234/दिनाक 28-4-86. सार्राख: 21-8-86

माहर: अहमदानाद

Ahmedabad, the 21st August, 1986

Ref. No. P.R. No. 4339 Acq. 23[1]86-87.—Whereas, I, A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269 B of the Income 1ax Act, 1961 (43 of 1901) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding ks. 1,00,000|- and bearing No. Nirmalnagar Vadva, Bhavnagar C.S. No. 4823, Wd. No. 1, Sheet No. 165, land adm. 7428.19 sq. mtrs. and construction adm. 3285,82 sq. mirs, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 28-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

The Bhavnagar Electricity Co. Ltd., Power House Compound, Chavdi Gate, Bhavnagar-364001.

(Transferor) (s)

Mls. Vipro Ltd., "Railktavar", 14th Floor, 229, Nariman Point, Bombay-400021.

(Transferee) (s)

ः ' (भ्रम्तरक)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days-from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nirmalnagar Vadva, Bhavnagar C.S. No. 4823, Wd. No. 1, Sheet No. 165 Land adm. 7428.19 sq. mtrs. and construction adm. 3285.82 sq. mtrs.

R. No. 1234 dt. 28-4-86.

Ahmedabad

महमवाबाव, 22 अगस्त, 1986

निवेश मि. पी. भार. नं. 4685/II/23 (86-87) :-- अतः मुझे, एँ. के. सिन्हा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् हुँ उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 **ख के मधी**न ृसक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 100,000 र. से अधिक है और जिसकी मं, भिडकल बोर्ड नं, 1 नोव नं, 668/ए/1 है तथा जो गौनपुरा सुरत में स्थित है (ग्रीर इसके उपावद प्रनुसुक्की में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, 37ईई, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रहिनियम, (37ईई का 16) अधीन 21-4-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मल्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्यास करने का कारण है कि यथापुर्शेवत सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यभान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत मधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) घीर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तम पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से सुक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही कियागया t i

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियाने में सुविधा के लिये।

श्रतः अब उक्ते अधिनियम की क्षारा 265न के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रिधिनयम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रीका निम्निक्षित व्यक्तियों श्रशीत् .---

(1) भोगीलाल ग्रमुनलाल धनमवाला, मैं. धमनवाला मिल्क मिल्म, शेषहृत सोसायटी, श्राचावा नाईन्स सुरत

.(2) मैं , चिसन विल्डसं 1/3256 , कार्जा मैयात , गोप- पुरा सरत '''(क्रान्तरिक्ष)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के प्रर्शन के लिए एसट्ड्रारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति के भ्रजेंन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की साक्षीम से 30 दिन की धवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वांवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता।
- (ख) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी काव्य ध्यपित द्वारा, क्रकोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त मन्त्रों श्रीर पदो को जो श्रायकर श्रीवित्तमम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्टमाय 20 में यथापरिकाधित है बही शर्थ होगा, जो उस श्रष्टमाय में दिया गया है।

यनुसूची ्

37,ईई का फार्स पर कार्यालयु, में मात्रील~86 की पेश किया गया है ॄ।

तारीख 22-8-86 मोहर् प्रहमवाबाद

Ahmedabad, the 22nd August, 1986

Ref. No. P.R. No. 4685 III Acq. 23 (86-87).--Whereas, I, A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Property at Ward No. 1, Nodh No. 668 A | 1 Nanpura, Surat, Form No. 37 EE is submitted (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned on 21-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under

the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Bhogilal Amaratlal Dhamenwala,
 Karta & Manager of H.U.F.
 & Otners and (Transferor)(s)
- M|s. Dhamanwala Silk Mills, Partnership Firm—through its partners. At Meghdoot Society, Near Parade Ground, Athawa Lines, Surat.

(Transferee) (s)

 M[s. Chintan Builders, 1|3256 Kaji Madan, Gopipura, Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Form No. 37EE are submitted in the office of the undersigned in April 1986.

Ahmedabad

Dated : 22-8-1986

Seal

निदेण नं, पी. आर. न. 4686/II/86-87:--अतः मुझे ए. के. सिन्हा भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् उतन श्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 269ख के भिष्ठीन सक्षम श्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिमका उचित बाआर मृत्य 100,000 र. ते भिष्ठि श्रीर जिमकी सं. मिलकत जो सूरत में स्थित-टी. पी. एस. 8 है। तथा जो फाइनल प्लाट नं, 231/4 में स्थित है (श्रीर इसके उपावक श्रीसूची में भीर पूर्ण रूप में विश्वात है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी

के कार्यालय, 37ईई, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षित्यम, 37 ईर, (37 ईर्ड का 16) के ग्रिक्षीन 3-4-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजिल मूल्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये ग्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएवांक्त सम्पत्ति का जिलते बाजार मूल्य उसके दण्यमान प्रतिफल से, एक वश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास ग्रिक्षक है ग्रीर भन्तरक (भन्तरमाँ) भीर मन्तरिती (अन्तरित्यों) के वीच ऐसे ग्रन्तरण के जिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से युवत ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी कार्य की वाबत श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुखिद्या के लिए और या भ्रन्य/या ।
- (४) ऐसी माय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम 1922 (1922 का 11) या भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 4%) या धनकर यिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती हारा प्रकट नेहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था. छिपाने में मुविधा के लिये।

श्रतः जञ्ज उन्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में मैं, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्न-लिखित व्यक्ति थे श्रथीत:——

- (1) श्री मगनलाल एन. माली | श्रीमती प्रचेना के. माली | मदन ग्रुमार ए. माली | प्रिष्तावण ए. माली | चेत्रेन्द्र | माली | मिलाचन्द एन. माली | माणकाम्त एम. माली | माणकामत एम. माली | माली | माणकामत एम. माली |
- (2) भै. जे. को. कापोरिणन, 305, सागर शोपिंग कापोरिणम रिग रोड, सूरत (भ्रत्यरिक्षी)

यह सूचना आरी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए एक्पद्वारा कार्यवाहियां मुख्करता है ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप।

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 4.5 दिम की प्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हैं। के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति क्षारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंने।

स्पन्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों स्त्रीर पत्रों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथापरिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रतसूची

37ईर्ष का फार्म पर कार्यालय में अप्रैल-86 में पेश किया गया है।

तारीख: 22-8-88 मोहर ें महमदाबाद

Ref. No. P.R. No. 4686|II|Acq. 23|86-87.--Whereas I, A. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 bearing No. [] Property at Surat situated at T.P.S. No. 8 F.P. 136|4, Form No. 37 EE is submitted (and more fully described in the Schedule been transferred under the annexed hereto) has Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned on 3-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properties by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Magan Lal Nathubhai Mali-

Archana Kantilal Mali.
 Bharatkumar A. Mali.

4. Damyanti K. Mali.

 Pavitraben A. Mali.
 Pavitraben for Minor Devendrabhaj Mali.

 Navinchandra M. Mali for Minor Deepti N. Malis

 Navinchandra M. Mali for Minor Deepash N. Mali.

9. Navinchandra Maganlal Mali.

 Pravitrahen A. Mali for Minor Sanjay Mali.
 Smt. Jyotsanaben N. Mali.

 Smt. Shashikala Jagdishchandra Mali.

13. Kantilal Maganlal Mali for Minor Hemali K. Mali.

 Shri Kantilal M. Mali for Minor Purvesh K. Mali.

15. Shri Kantilal Maganlal Mali.

(Transferor) (s)

All at Zampa Bazar,

Main Road Surat.

M/s. J. J. Corporation 305, Sagar Shopping Corporation, Shahara Darwaja, Ring Road, Surat.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Form No. 37 EE are submitted in the office of the undersigned in April 1986.

Ahmedahad

Dated: 22-8-1986

Seal

निवेश नं. पी. गार. 4324:--- ग्रतः सुसे ऐ.के. सिन्हा, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन समझ प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य फ. 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं. जगीन क्षेत्रफल 2640 वर्ग यार्ड + मकान राजपुर हीरपुर में हैं। तथा जो सीम ऐफ पी.नं. 127, हिस्सा 1-ऐ-1, ग्रहमदाबाव में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूचित में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्टोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मल्य से कम के दुम्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिकल का पख्रहा प्रतियत प्रधिक है और अन्तरक (भ्रत्तरको) और प्रश्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त ग्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है।

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी कार्य की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या ग्रम्य/या
- (ख) ऐसी घाय या किसी धन या ग्रन्य अस्तियों को जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मुविधा के लिये,

ग्रतः जब उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269 ग के ग्रनुसरण में मैं उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्न-लिखिन व्यक्ति थे ग्रिमीत्:—-

(1) श्रीमती केरबानु रूस्तमजी ऐ वाडीया, फैल्पबेन उस्तमजी ऐ. वाडीया, जहांगीर फीरोजशा वाडीमा, बानूबेन फीरोजशा ऐ. वाडीया, णीरीनबेन फीरोजशा ऐ. वाडीया, और ग्रन्य क./ओ. श्रीमती फेनी ऐच. मरचेस्ट, सी-46 खूनरू वाग, कोलावा, बोम्बे-400039.

(ग्रन्तरक)

(2) न्यू विजय को. ओ. रा. सोसायटी जिसीटेड, षेयरमेत-सेश्रेटरी-मेर्न्बर्स, जयंतीलास चुनीलाल पटेल, 5-ऐ, भावना रो हाउस, रानीप, महमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के लिए एतव् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घारोप,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की च ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधो-हस्ताक्षरी के पास लिखिल∼में किए जा सकेंगे ।

सपाटीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो ग्रायकर ग्रीध-नियम, 1961 (1961 का 43) के ग्राध्याय 20 के यथापरिमाधित हैं बही कार्य होगा. जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूषी

जमीन क्षेत्रफल 880+880+660+220 वर्ग यार्ड+मकान, होटल जमीन 2640 वर्ग यार्ड, राजपुर-हीरपुर सीमने, ऐफ.पी.नं. 127 चैकी हिस्सा नं. $1\cdot$ ऐ-1, ग्रहमदाबाद. रिजस्ट्रेशन मं. 4125-4473-4470-4469/मार्च 1986

तारीखः 22-8-86 मोहरः शहमदाबाद

Ref. No. P.R. No. 4324|I|Acq. 23|86-87.—Whereas, I A. K. Sinna being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act 1961, (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Land Adm. 2640 sq. yds. Building at Rajpur Hirpur, Sim F. P. No. 127, Hissa 1-A-1, Ahmedabad and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed

to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Kerbanoo Roostamji A. Wadia, Kenyben Roostamji A. Wadia, Jahangir Firojsha Wadia, Banooben Firojsha A. Wadia, Sirinben Firojsha A. Wadia & Others All at Co., Smt. Freny H. Merchant, C-46, Khooshroo Baug, Colaba, Bombay. 400039.

(Transferor) (s)

New Vijay Co. op. Housing Society Ltd. Chairman|Secretary|Member.
Jayantilal Chunilal Patel,
5-A, Bhavana Rew House,
Renip, Ahmedabad.

(Transferee)(s)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days-from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land Sql 880+880 +660 +220 Sq. Y.+ Building, (Total Land 2640 Sq.Y.) of Rajpur Hirpur Sim. F. P. No. 127., Paiki Hissa No. 1-A-1, Ahmedabad, R. No. 4125-4473-4470-4469, March 1986

Ahmedabad:

Dated 22-3-86

Seal

निदेश मं, पी, धार, नं, 4329—प्रतः मुखे हो, को, सिन्हा मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अअल सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य र. 1,00,000 से भ्राधिक है और जिसकी सं. अपार्टमेन्ट नं. 1, मजापीर अपार्टमेन्ट हैं । तथा जो पैलेश रोड, क्षेत्रफल 610 वर्ग फीट राजकोट में स्थित है। और इसके उपाबक ग्रनुमुचि में और पूर्ण रूप से यणित हैं। रशीम्ड्रोकर्रा प्रधिकारी के कार्या-लय. राजकोट में रिज्ञम्हीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के क्रधीन 18-2-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवित मूच्य में कन के दूश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्याम करने का कारण हैं। कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन वात्रार मृत्व उसके कृष्यमान प्रतिकल से, एक वश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत धरि र है अन्तरक (भ्रम्तरकों) और प्रम्तरिनी (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐमे चन्त्ररण के लिये तय पाया गया प्रशिक्षल, निम्नलिखिल उद्देश्य से युवन प्रस्तरण लिखिन में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) शब्तरण से हुई किनी आय की यावत आयक्षर प्रिव्नियम, 1981 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुजिशा के लिए और/या अन्य/या
- (क) ऐसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ भारितयों को जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना भाहिये था, छिपाने में मुविधा के लिये।

ग्रल: जब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269म के श्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269म्ब की उपधारा (1) के श्रिधीम निस्मिनिखित व्यक्ति ये अर्थात्—

(1) इर्वारा वसन्तराय गांधी (भ्रन्तरक) कलायक रोड, राजकोट।

(2) श्री प्रधीनचंद्र नगरवंद महेता (श्रन्सरिति) फलेट नं. 3. जी एफ, महाबीद अपार्टमेन्ट, पेलेस रोड, राजकोट

यह सूचमा जारी कर के पूर्वोवत सम्पत्ति के प्रजैन के लिए एतव्हारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के क्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिल की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा, क्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्प्रव्टीकरण:—-इसमें प्रगुक्त गब्दों और पदों का जो आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के श्रष्ट्याय 20 के यथापरिभाषित हैं बहुत अर्थ होगा,, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है। <u>श्रुक्तु</u>भी

एपार्टमेंट नं.1, जी. एफ., 610 बर्ग फीट, महाबीर एपार्टमेन्ट, पेलेस रोड, राजकोट, राजकोट, रिस्ट्रेशन नं. 1293/86

तारीय 22-8-86 मोत्रः शहमवाबाद

Ref. No. P. R. No. 4329 Acq. 23|1|86-87-Whereas, I A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000 bearing No. Apartment No. 1, Mahavir Apartment, Palace Road, Adm. 610 sq. ft., Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 18-2-86 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer, and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:

Indira Vasantrai Gandhi, Kalawad Road, Rajkot.

(Transferor) (s)

Pravinchandra Navarchand Mahta, Flat No. 1, G. P., Mahavir Apartment, Palace Road, Rajkot.

Transferee(g)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Apartment No. 1, G. F. Adm. 610 sq. ft. Mahavir Apartment—Palace Road, Rajkot. R. No. 1293|86 dt. 18-2-86.

Ahmedabad

Dated: 22-8-86

Seal

निदेश नं पी. आर. नं. 4340--अतः मुझे ए. के. मिन्हा आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ख के अर्थान सक्षम पदाधि-कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु. 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं. जमीन शंखपुर खानपुर में टी. पी. एस-3, एफ. पी. 110, है। तथा जो जमीन क्षेत्रफल 2144 वर्ग यार्ड में स्थित हैं(ग्रीर इसके उपावड अनुसूचि में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी रजिस्दीकरण में अधिनियम, 37 ईई फाईल अर्धान 12-2-86 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित मल्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित वाजार मूरा 🔈 े दृश्यमान प्रतिफल से एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत आधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तत्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गंग है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी कार्य की बावत आयकर अधिनियस 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या अन्य/या
- (छ) ऐसी आय या िन्सी धन या अन्य अस्तियों को ज़िन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 1:1) या आग्रहार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अनगर अधिनियम: 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये,

अतः जब उनते अधिनियम की धारा 269म के अनुमरण में, मैं उनते अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अनीन निस्तितिक्वित क्यक्ति अन्ति :---

(1) श्री चंद्रकांत मोतीलाल रोड. श्रीर 6 अन्य, के/श्रो वाचीन वीला, दशायोरवाड़ सीमायटी के नजदाक पालडी, अहमदाबाद-380007

(अन्तरक)

(2) श्री चंगक चीमनलात पटेल चंगरमीन----वर्शन सोप एंड कोमीशियल क्षं. श्री. सोमायटी, 104, पटेल वास, वास ए, अहमदाबाद

(अंतरितीः)

यत् सूनना वारी भाग के पूर्वीरत संप्रति के अर्धन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुक्त करना हो।

उच्य संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप.

- (क) दन सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी**ख से 45 दिन की** अविधि या तत्संबंधी व्यवित्यों पर सूचना की तानील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद ने समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) २म मूचना के राजपत में प्रकारन की नारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधी-हस्ताक्षरी के पाम निज्जिन में किए जा सकेंगे।

स्पर्व्हीस्तरण :-इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याप 20 के यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन शेखपुर---खानपुर में, टं. पी. एक. बं. एस-3, एक. पी. 110 जमीन देवफल 2144 वर्ष यार्ड, 37 ईई दिनांश 12-2-86 की फाइल किटा।

तारेख: 22-8-86 मोहर: अहमदाबाद

Ref. No. P. R. No. 4340 Acq. 23|I|86-87.-Whereas, I A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax 1961 (43 of 1361) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Land in Shekhpur, Khanpur, T.P.S.—3, F.P. 110, land dam. 2144 sq. yds, (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the 37 EE filed in the office of the Competent Authority, A'bad on 12-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Chandrakant Motilal Sheth and six others. Clo. Bipin Villa, Near Dashaporwad Society, Paldi, Ahmedabad-380007.

(Transferor)(s)

Shri Pankaj Chimanlal Patel, Chairman of the Proposed Darshan Shop and Commercial Co-op. Society, 104, Patel Vas, Veena, Ahmedabad. (Transferce)(s)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land in Shekhpur Khanpur, T.P.S.-3, F.P. 110, 1210 adm. 2144 sq. yds. 37 EE filed on 12-2-86.

Ahmedabad Dt. 22-8-86 Seol

अर्मदाबाद, 28 अगस्त, 198G

निरेण मं. पी. आर. नं. 4694/II/86-87.—जतः मुझे ए.के. सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् उक्त अधिनियम कहा गया हैं) भी धारा 269 ख के अधीन समझ प्राधिकारी को यह विष्णास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य क. 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं. छठी घीर सातवीं समला सूरण ब्लाजा, हैं तथा जो सपाजीगंअ, बडीदा में स्थित हैं (घीर इसके उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37 ईई, अहम्पदाबाद में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37 ईई, अहम्पदाबाद में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37 ईई, अहम्पदाबाद में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37 ईई, अहम्पदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन 8-8-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (आतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितित्त उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी कार्य की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या अध्य/या (स्त्र) ऐसी आय या जिली धन या अय्य प्रस्तिनों को जिन्हें भारतीय आयकर जिलियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)या धनकर अधिनियम, 57(1957 का 27) के प्रयोजनार्ये अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

भतः जब उपन अधिनिथम को धारा 269म के अनुसरण में में, उपन अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्षित थे अर्थात् :---

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी----(अन्तरक) नारावण कन्स्ट्रक्शन कं. सुरज ज्ञाजा, नयाअगांज, यडौदा

(2) ब्रो/ब्रामती/प्रुमारी------(अन्सरिती) श्री मगनमाही शंकरपाधी पटेल शिक्षण दृस्ट, मगनबाली, भयाजीगंज,

यह सूबना जारो कर के पूर्वोक्त मन्त्रिक अर्जन के लिए एक्द्रास कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन की अवधी या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविज्ञ में समाध्य होती हो के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अजे-हरणांशनी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदों का जो आयक्त अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के अधीन यथापरिभाषित यही अर्थ होगा, जो उन अध्यास में दिया गरा है।

अनुसूची

37ईई का फार्म पर कार्यातय में 8-8-86 में पेग किया गया **है**। जिस*ा* कुत मूला 36,17,001/- खब्बे हैं।

ताराख: 28-8-86 मोहर: अहमदाबाद

Ahmedabad, the 28th August, 1986

Ref. No. P.R. No. 4694 Acq. 23|II|86-87.—Whereas, I A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 6th and 7th floors of Suraj Plaza II situated at Maganwadi Sayaji Ganj, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed here'o) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE on 8-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to be believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, ondjor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

Narayan Construction Coy. Suraj Plaza, Maganwadi Sayajiganj—Baroda.

(Transferor)(s)

Maganbhai Shankarbhai Patel Education Trust Maganwadi—Sayaji Ganj—Borada.

(Transferee) (3)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

The form No. 37EE is filed in this office on 8-8-86 in respect of the A.C. Rs. 36,17,001|-.

Ahmedabad Dt. 28-8-86 Seal

भहमदाबाद, 29 ग्रगस्त, 1986

निषेण सं. पी.धार. नं. 4364.— अतः मुत्रे ए.के. सिन्हा ध्रायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त घिनियम कहा गया है) की धारा 269वा के घिन समक्ष प्राधिकारों को यह विण्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रपये 100,000 से बाधिक हैं और जिसकी मं. टी.पी. एस. 30 एक. पी. नं. 11, प्रसारवा सीम, जमीन हैं। तथा जो 19147 वर्ग मीटर, मकान 8240 वर्ग मीटर में स्थित हैं (और इसके उपायत अनुमूखी में और पूर्ण रूप से बणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता घिष्ठारी के कार्यालय अहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण घिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-6-86 को पूर्वीकर सम्पत्ति के जिस्त महन्य से कम के द्वर्यमान

प्रतिकल के लिये भग्तरित की गई है और मुझे यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उिवन जानार मूक्त उनके दूरवान प्रतिकल से, एक दूरवमान प्रतिकल का पत्त्वह प्रतिशत भिक्षक है और भग्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नितित उद्देश्य से युक्त प्रन्तर निश्चित में वास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रभारण से तुई कितों कार्य की बाबत प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के प्रन्तरह के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए प्रोर/या अन्य/या
- (श्व) ऐनो प्राय या किसी धार या प्रत्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भाषार प्रतिनियम, 1922 (1922 का 11) या भाषतर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर प्रतिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाननार्थे प्रत्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिये।

भ्रतः भ्रव उपत स्रिजिनिन को धारा 269ग के प्रतृतरण में, मैं उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्न-सिखित व्यक्तियों, भ्रधीन :---

- (1) ग्रहमवाबाद प्रेसिंग गीनिंग एंड मैंन्यु. कंपनी, भरोडा रोड, ग्रहमवाबाद। (अन्तरक)
- (2) मैससं सी.एस. संध्वी पूना पर्क्स, 985/3, ऐसीसब्रिज, पातको, ग्रह्मवाबाद (अन्तर्रिती)

यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सप्पत्ति के अर्जन के लिए एतर्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई का आक्षेप,

- (क) इस सूजता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तालीम से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ब) इस सूचना में राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थारर सम्मति ने हितबब किसो ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्राघीन हस्ताक्षरी के पास निर्द्धित में किए जा सकेंगे।

स्वर्धाकरण:---इसमें प्रयुक्त गलदों और पवों का जो आयकर प्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) में अन्याय 20 के यथापरिभाषित है पहुं अर्थ होना, जा उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्याः

र्टा, पंत, एस. 30, एक. पी. नं. 11, ग्रसारवा सीम अनाम क्षेत्रफस 19147 वर्ग मीटर और संगति क्षेत्रकल 3240 वर्ग मीटर, भागीवारी भाइतान 37 इ इ विलांक 19-6-86 को फाइल किया।

छ हम**बा**याद तारीख: 23-8-86 मो**ह**र:

Ahmedabad, the 29th August, 1986

Ref. No. P.R. No. 4364|I|Acq. 23|86-87.—Whereas, I A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. T.P.S. 30 F.P. No. 11

Asarwa Sim Land adm. 19147 Sq. Mtrs. and building adm. 8240 Sq. Mtrs. Partly tenanted. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 19-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believed that the fair market value of the property as aforesaid-exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the Object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

The Ahmedabad Pressing Ginning & Mfg. Co. Naroda Road, Ahmedabad.

(Transferor) (s)

M/s. C.S. Sanghavi Poona Works, 983/3, Ellis Bridge, Paldi, Ahmedabad.

(Transferce) (s)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

T.P.S. 30 F.P. No. 11 Asarwa Sim land adm. 19147 Sq. Mtrs. and building adm. 8240 Sq. Mtrs. Partly tenanted. 37 EE dt. 19-6-86.

Ahmedabad Dt. 29-8-86 Seal idni. 3240 3-dt.

निदेश सं, पी. भार, नं, 4369 -- प्रनः मुझे ए. कें, सिन्हा उत्तपसंग शक्तिसमा, १९६१ (1961 का 43) (जिसे इपमें इसके परसात् उक्त ग्राबिनियम करा गया है) की धारा 269 ख के ग्राबीन सक्षम प्राधि-कारी को यंड विषयास फरने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार पूरा १०७,००० से संधिक हैं और जिसकी सं. वैगीपपुर सीमाः एक पी. नं. 400, **एक, पी-**2, टा. पी. एस-3, हैं तथा जो जमीन 913.13 और 112.87 वर्ग यार्ट मकान के साथ म स्थित है (आर इसते उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से दिलत है) र्राजस्ट्रीकता ऋषिकारी के कार्याक्षय, अर्ह्मदासाद त्ये , रिवस्ट्रीकरण ऋषि-नित्रम, ४७०६ (४७०८ का ४७) झधीन ४-४-४६ का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित भूष से कम के दूर्यमान प्रतिकल के निये अंतरित को गई है आंग मुझे यह विश्ववास करने का कारण है कि यथापूर्यके सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिकृति से, एकं दुश्यमानं प्रतिकृत का पंजर प्रतिशान कृषिक, है। ऑह कृतारक (क्रान्तरको) जीर असरिको (क्रमारिनियी) के बीच ऐसे ब्रन्तरण के लिये समापाना गमा प्रेतिकत. निम्तनिधिकः उद्देश्य से युक्त ग्रेलरण निश्चित में पास्त्रतिक का से कथिन नहीं किया, गयां है।

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी पाप की बाबत प्रायक्तर प्रक्रितियस, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दें। के अंतरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या अन्य/या
- ्ख) ऐसी आत्र या किसी धन या अन्य आसितयों को जिन्हें भारतीय आयकर अविनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिये था, बिसारे में मुत्रिधा के निये।

श्रतः अब उत्ततं श्रशितिषयं की धारा 269 ग के श्रनुसरण में में, उक्त श्रिधितियमं की धारा 269 भ की उत्तरंश्या (1) के श्रधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों श्रशीन्:---

(1) श्रां मुझार इन्द्राबादन नानावती. "मुझीर कृज" लो कालेज के पीछे, अनीतबीज, प्रहमदाबाद

(यन्तरक)

(2) श्री झीलीक्जंर गीविवराम ग्रववाल आर 3 ग्रन्य मुख्य प्रमोटर---प्रयोज्ङ नानापटी चेम्बर्स ओनर्स एसोसीयेशन (नान ट्रेडींग कापोरेशन), श्रावाशी घट्टमदाबाद। (अन्तरिकी)

यह सुनना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहिया मुख्य करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ऋर्जन के संबंध में कोई भी छाक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजवल मं प्राग्यन की तारीज से 45 दिन को प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बार में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (ख) इस सूबा। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीवर उक्त त्याबर संपत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा ध्रबोहस्ताकरों के गात लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—धुतने प्रयुक्त गन्यानार पद्मां का जो ध्रायकर ध्रिधिनियण, 1961 (1961 का 43) में ब्राध्याय 20 के यथापरिभाषित है बही ध्रयं होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है। अनुपूर्वा

चर्गीरापुर सीमे, 'अक: 'नैं। नं: 106, अस. पा न : 2, टॉ. पी. जेस. ' 3, जर्मीन क्षेत्रफल '913' 13 विंगे बार्ड जीर 112.87 वर्ग वाडे मेकाने 'की साथ'रेजिंदेशन' नं : '6442'4-4-86'

्महा क काप्रकर श्रमुक्त (निराक्षण) जर्बन रेज 1

ं तारीखः 25-8-86' मोहर : ग्रहमचीबाद' ' '

Ref. No. P.R. No. 4369 TACQ. 2580-87.— Whereas, T.A. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Lax Act, 1961 (43 of 1961); (herein after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000 and bearing No. Changispur Sim F. P. Ni. 400 S.P. No. 2 T.P.S. No. 3 fand adm. 913.13 Sq. Yds. and 112.87 Sq. Yds. under Road with building and more fully described in the transferred Schedule annexed hereto) has been under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) th the office of the registering officer at Ahmedabad on 4-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent of the refor by more than fifteen per cent of consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the line my transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:

> Shri Sudhir Indravadan Nanavati, Sudhir Kunj Behind Law College, Ellis Bridge, Ahmedabad.

> > (Transferor) (s)

Trilokehand Govindram Agrawal and 3 others main Promotors of Proposed Nanawati Chambors Owners Association (Tea Trading Corporation) Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Changispur sim F. P. No. 400 S.P. No. 2 T.P.S. No. 3 land adm. 913.13 Sq. Yds. and 112.87 Sq. Yds. under Road with building R. No. 6442 df. 4-4-86.

Ahmedabad Dated: 29-8-86.

A. K. SINHA, Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range 1 AHMEDABAD)

निर्देश न. पी. ग्रार. न. 4372. - ग्रतः मुझे थी. ग्रार. कीशिक जिसी - (1961 (1961 को 43) (जिसे -पश्चात् उत्रत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 खाके अधीन सर्जम प्राधिकारी को यह विश्वासं करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बार्जार मूल्य ह. 100,000 से छबिछ है ओर जिसकी सं., जमीन क्षेत्रफल 1943.45 वर्ग मीटर | मकान 602 वर्ग मीटर हैं तथा जो टी. पी. एस. 3. अंस. भी. नं. ४०३, छहमशबाद में स्थित, है (और इसके उपाबदः , अनु-मृचि में आर पूर्णक्य से वर्णित हैं) रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 2-9-86 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सें, एक दृश्यमान प्रतिबल का पंद्रह प्रतिशत प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (रंन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिकल, विस्तलिखित उहस्य से युन, इस्तरण निखित में जास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण स हुई किसी ग्राय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अबीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गृविधा के लिए और/या अन्य/या
- (ख) ऐसी प्राय या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिते द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मुविधा के लिये।

ग्रतः जब उन्त ग्रजिनियम की घारा 269ग के ग्रनुसरण में मैं बन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्मलिखित व्यक्ति ये मर्मात :---

(1) श्रीमति क्रीमुडीबेन अगर, पटेल मनमाई थे. पटेल कमलभाई थे. पटेस, और धन्य, 'ग्रानंद भयन', श्रेलीसशीत्र, प्रहमदाबाद.

(अन्तरक)

(2) श्री निर्मेशसींग डी. राना वीरेन्द्र जे. तुरखीया और मन्य, मानीया काप रिज़न, बाहीबाद, बहनदाबाद,

(भग्वरिवी)

- (3) **बी लिकार्य** जार, पडेत कुमारपाल फ्रार. पटेल थीताफीन भार. पटेस बास्मतोलीबेन ओ. पटेल. 'ग्रानंद भवन', बेलीसक्रीज, प्रहमवाबाद रसिकलाल बीमनलाल साह राबजीमाई छना माई पटेस एलिसबिज अहमदाबाद (वह स्पन्ति, जित्रे प्रधिनींग में सन्पति हैं)
- (4) श्री/श्रीमति/कुमारी------व्यक्ति जिसके बारे में अधोडस्ताक्षरी जानता है वह समाति में रितबद्व है

यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पति के प्रवंत के लिए एतइ-द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी गानित,

- (क) इस सुचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तालीम से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तिमां में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (सा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी शस्य व्यक्ति द्वाराः प्रजी-हस्ताधारी के पास लिखिल में किये जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण :---ध्रसमें प्रमुक्त ग्रन्दां और पदों को भ्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के घडराय 20 में ययापरिनाशित हैं बड़ी ग्रर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ज**नुसूची**

जर्मान क्षेत्रफल 1993.45 वर्ग मीटर 🕂 मकान 602 वर्ग भीटर भ्रहमदाबाद में ही. जी. जेस.-3, जेफ. पी. नं. 802 अहमराबाद 37 ईंड दिनांक 2-9-86 की फाईल फिया.

सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेंज

तारीख 8-9-86 मोहर: ५:हमदाबाद (जो लाग्न हां उसे काट धीर्रजिए)

बी. श्रार. कौशिक, सक्षम प्राधिकारी महमदाबद् .

- Ref. No. P.R. No. 4372 Acq. 23 [1] 86-87.—Whereas, I B, R, Kaushik being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable promarket value exceeding perty, having a fair Rs. 100,000 and bearing No. Land Admn. 1993,45 Sq. Mtrs. +Building adm. 602 Sq. Mtrs. T.P.S. 3, F.P. No. 802, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37 EE filed on 2-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of :
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Kaumudiben R. Patel & others, Anubhai A. Patel, Kamalbhai A. Patel, Anand Bhuvan, -Ellis Bridge, Ahmedabad.

... (Transferor) (s)

Nirmala Singh, D. Rana, Virendra J. Turakhia and Others, Asya Corporation Shahibaug Road, Ahmedabad.

.. (Transferor) (s)

Siddharth R. Patel, Shri Kumarpal R. (Karta), Shri Pinakin R. Patel (Karta), Smt. Basumatiben A. Potel, Rasiklal Chimanlal Shah, Ravjibhai Shanabhai Patel. Anand Bhuvan, Ellis Bridge, Ahmedabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act

shall have the same meaning as given in that Chaoter.

SCHEDULE

Land adm. 1993.45 Sq. Mtrs. +Building adm. 602 Sq. Mtrs., at Ahmedabad T.P.S.-3, F.P. No. 802, Ahmedabad, 37 EE filed on 2-9-86.

B. R. KAUSHIK, Competent Authority, (Inspecting Assistant Commissioner Income-tax. Acquisition Range III, Ahmedabad)

Ahmedabad Dt. 8-9-86. Seal